

**सोनापुर** पुं. (देश.) स्वर्ग।

**सोना पेट** पुं. (देश.) सोने की खान।

**सोना फूल** पुं. (देश.) एकलता, एक क्षुप।

**सोना मक्खी** स्त्री. (तद्.) 1. एक खनिज द्रव्य जिसमें सोने का कुछ अंश मिश्रित होता है, इसे ओषध के काम में भी लाया जाता है 2. एक तरह का रेशम का कीड़ा, सोनामक्खी।

**सोना माखी** स्त्री. (तद्.) दे. सोनामक्खी।

**सोनार** पुं. (तद्.) सुनार।

**सोनित** वि. (तद्.) शोणित।

**सोनी** पुं. (देश.) स्वर्णकार, सोनार, सुनार।

**सोनैया** स्त्री. (देश.) देवदाली, घघर बेल, बंदाल।

**सोप** पुं. (अं.) साबुन (देश.) एक प्रकार की छपी चादर।

**सोपकरण** वि. (तत्.) उपकरण युक्त, समुचित रूप से सुसज्जित।

**सोपकार** वि. (तत्.) 1. जिसे सहायता दी गई हो 2. उपकरणों या साधनों से युक्त (बंधक) जिससे सूद मिलता हो 3. लाभदायक।

**सोपचार** वि. (तत्.) शिष्टतापूर्वक बर्ताव या व्यवहार करने वाला।

**सोपथ** वि. (तत्.) कपटपूर्ण, जालसाजी और धोखे से भरा हुआ।

**सोपद्रव** पुं. (तत्.) संकट और उपद्रवों से युक्त।

**सोपधि** वि. (तत्.) कपट युक्त, हली, जालसाज।

**सोपन/सोपतो/सोपतौ** पुं. (देश.) सुविधा, सुभीता।

**सोपप्लव** वि. (तत्.) 1. ग्रस्त 2. ग्रहण लगा हुआ 3. संकट ग्रस्त 4. शत्रुओं द्वारा आक्रांत 5. ग्रहण ग्रस्त जैसे- चंद्र व सूर्य।

**सोपम** वि. (तत्.) उपमायुक्त।

**सोपरोध** वि. (तत्.) अवरुद्ध।

**सोपसर्ग** वि. (तत्.) 1. संकट ग्रस्त, दुर्भाग्य ग्रस्त; अनिष्ट सूचक 2. किसी भूत-प्रेत से आविष्ट 3. उपसर्ग से युक्त।

**सोपसर्प** वि. (तत्.) 1. उठान या उभार पर आया हुआ 2. काम वासना से युक्त 3. गरमाया हुआ 4. समीप पहुँचा हुआ।

**सोपहास** वि. (तत्.) 1. व्यंगपूर्ण हँसी से युक्त 2. उपालंभपूर्ण 3. व्यंग्यमय 4. उलाहने के साथ।

**सोपाक** पुं. (तत्.) 1. जड़ी-बूटियों का विक्रेता 2. एक बड़ी चाण्डाल जाति जिससे जल्लाद का काम लिया जाता है 3. श्वपाक 4. वन्य ओषधि।

**सोपाधि** वि. (तत्.) 1. उपाधि सहित 2. विशिष्ट, किसी शर्त या विशेषता से युक्त, विशिष्ट लक्षणों से युक्त 3. सीमित, मर्यादित, विशिष्ट।

**सोपाधिक** पुं. (तत्.) दे. सोपाधि।

**सोपाधिक प्रदान** पुं. (तत्.) शर्त के साथ कुछ देना।

**सोपान** पुं. (तत्.) 1. सीढ़ी 2. मोक्ष प्राप्ति का उपाय।

**सोपानक** पुं. (तत्.) 1. सोने के तार में गुँथी मोतियों की माला 2. सोपान।

**सोपानकक्ष** पुं. (तत्.) सीढ़ियों वाला कमरा।

**सोपान कूप** पुं. (तत्.) बावली, सीढ़ीदार कुआँ।

**सोपान पथ** पुं. (तत्.) सीढ़ी, जीना।

**सोपान परंपरी** स्त्री. (तत्.) सीढ़ियों की शृंखला, सोपान-पंक्ति।

**सोपान मार्ग** पुं. (तत्.) सीढ़ी, जीना, सोपान-पथ।

**सोपान शीर्ष** पुं. (तत्.) सबसे ऊपर की सीढ़ी।

**सोपानावरोहण न्याय** पुं. (तत्.) क्रमशः अधोगति होना।

**सोपानिक** वि. (तत्.) वरिष्ठता पर आधारित वर्गों वाला।

**सोपानित** वि. (तत्.) क्रमशः उन्नति वाला।

**सोपानी** वि. (तद्.) 1. सीढ़ियों वाला 2. जो अनेक चरणों में संपन्न हो।

**सोपारी** स्त्री. (तत्.) कसैली सुपारी, छलिया।